भारत सरकार
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
राज्य सभा
तारांकित प्रश्न सं. *51
मंगलवार, दिनांक 07 फरवरी, 2023 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>भारत की अपतटीय पवन ऊर्जा संबंधी क्षमता</u>

*51. श्री एस. निरंजन रेड्डी: क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में गुजरात और तमिलनाडु राज्यों का अपतटीय पवन ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए चयन किया गया है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है और आज की तारीख तक कितनी धनराशि खर्च की जा चुकी है; और

(ग) क्या इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि गुजरात और तमिलनाडु के तटों की अपतटीय पवन ऊर्जा क्षमता अनुमानतः लगभग 70 गीगावाट है, आंध्र प्रदेश राज्य के तट पर उसकी पवन ऊर्जा संबंधी व्यवहार्यता और संभाव्यता का निर्धारण करने के लिए कोई अध्ययन कराया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत मंत्री
(श्री आर.के. सिंह)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है।

<u>विवरण</u>

'भारत की अपतटीय पवन ऊर्जा संबंधी क्षमता' के संबंध में पूछे गए दिनांक 07.02.2023 के राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. 51 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख): राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान (नीवे) द्वारा विभिन्न बहुपक्षीय एजेंसियों के सहयोग से किए गए प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर सरकार ने गुजरात और तमिलनाडु के तट से दूर प्रत्येक के 8 जोनों को संभावित अपतटीय पवन ऊर्जा जोनों के रूप में चिह्नित किया है। मेसो पैमाने पर मानचित्रण के आधार पर, अनुमान है कि गुजरात के तट से दूर लगभग 36 गीगावाट अपतटीय पवन विद्युत संभाव्यता और तमिलनाडु के तट से दूर लगभग 31 गीगावाट अपतटीय पवन संभाव्यता मौजूद है।

राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान (नीवे), चेन्नई ने गुजरात के तट से दूर पवन संसाधन के मापन के लिए नवम्बर, 2017 में एक लीडार (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग) उपकरण चालू किया था। लीडार से एकत्र किए गए दो वर्षों के आंकड़ों के आधार पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। लीडार के स्थल के समीप अपेक्षित 1 गीगावाट क्षमता की परियोजना के लिए करीब 365 वर्ग कि.मी. क्षेत्र के अपतटीय पवन ऊर्जा स्थल की पहचान की गई है। 1 गीगावाट परियोजना के लिए अपेक्षित भू-भौतिकीय अध्ययन, 5 बोर होल स्थानों पर भू-तकनीकी अध्ययन और तीव्र पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन किया गया है। तीन बोर होल स्थानों पर भू-तकनीकी अध्ययन और तमिलनाडु अपतट पर एक लीडार की स्थापना करने और उसे चालू करने के लिए तीव्र ईआईए अध्ययन किया गया है। नीवे ने उपरोक्त अपतटीय पवन संबंधी गतिविधियों को करने के लिए कुल 31.8 करोड़ रु. का व्यय किया है।

एमएनआरई ने विभिन्न मॉडलों का उल्लेख करते हुए और इन मॉडलों के तहत डेवलपर्स को आवंटन हेतु प्रस्तावित स्थलों का उल्लेख करते हुए 'अपतटीय पवन विकास के लिए रणनीति दस्तावेज' जारी किया था। तमिलनाडु तट से दूर प्रारंभिक 04 गीगावाट अपतटीय पवन क्षमता स्थलों की सीबेड लीजिंग के लिए, अनुबंध संबंधी करारों के साथ निविदा दस्तावेज का प्रारूप हितधारक टिप्पणियों के लिए परिचालित किया गया है।

केन्द्रीय पारेषण यूटिलिटी (सीटीयू) ने प्रारंभिक 10 गीगावाट अपतटीय पारेषण क्षमता (गुजरात और तमिलनाडु, पत्येक के तट से दूर 05 गीगावाट) के लिए आयोजना पूरी कर ली है। गुजरात सरकार और तमिलनाडु सरकार अपने-अपने तटों से दूर प्रारंभिक अपतटीय पवन परियोजनाओं से 4.0 रु. प्रति यूनिट के हिसाब से विद्युत की खरीद करने को सहमत हैं।

(ग) मेसो पैमाने के डेटा के अनुसार, आन्ध्र प्रदेश के तट के साथ वार्षिक औसतन पवन गति 6.5 से 7 मी./से. की रेंज में है, जो कि वर्तमान में कम और वाणिज्यिक अपतटीय पवन स्थापनाओं के लिए मध्यम मानी गई है। तथापि, आन्ध्र प्रदेश के तट के साथ-साथ अपतटीय पवन संभाव्यता और व्यवहार्यता के निर्धारण के लिए कोई पृथक अध्ययन नहीं किया गया है।

*****